पाठ 13. दोहावली

दोहों का परिचय

1. रहीम जी कहते हैं कि अपने मन के दुख को सदैव अपने मन में ही रखना चाहिए, क्योंकि दूसरों को सुनाने पर वे उसे बाँटेंगे नहीं, बल्कि हमारा मज़ाक ही उड़ाएँगे।
2. रहीम जी कहते हैं कि जो लोग उत्तम प्रकृति के होते हैं, उनपर कुसंगति का प्रभाव नहीं पड़ता। कवि सर्प और चंदन का उदाहरण देते हुए कहते हैं कि सर्प चंदन के चारों ओर लिपटे रहते हैं फिर भी चंदन पर उनके विष का कोई प्रभाव नहीं पड़ता। वह सदैव महकता ही रहता है।
3. रहीम जी कहते हैं कि मनुष्य को किसी भी जगह पर तब तक ही ठहरना चाहिए जब तक उसे सम्मान प्राप्त होता है। जब मनुष्य को यह लगे कि उसका मान घट रहा है, तब उसे तुरंत उठकर चल देना चाहिए।
4. मधुर वचन में बहुत शक्ति होती है। इससे बड़े-बड़े लोगों का गुस्सा या उनका अभिमान समाप्त हो जाता है। रहीम जी उफ़नते हुए दूध का उदाहरण देते हुए कहते हैं कि जिस प्रकार उफ़नते हुए दूध में थोड़ा-सा ठंडा पानी डाल देने पर वह शांत हो जाता है उसी प्रकार मधुर वचन अभिमान को समाप्त कर देता है।
5. रहीम जी ने बोली को अमूल्य बताया है। जब मनुष्य बोलता है तो उसे मुख से शब्द बहुत सोच-समझकर निकालने चाहिए। उसके शब्दों से किसी को चोट लगे या किसी के दिल को दुख हो, ऐसा नहीं होना चाहिए। मनुष्य को अपने शब्द पहले हृदय के तराजू पर तोलने चाहिए, उसके बाद ही मुख से निकालने चाहिए।
6. प्रकृति से परोपकार का उदाहरण लेते हुए रहीम जी कहते हैं कि जिस प्रकार वृक्ष अपने फल स्वयं नहीं खाते और नदी अपना पानी स्वयं नहीं पीती है, उसी प्रकार दूसरों की भलाई के लिए ही साधु पुरुष इस दुनिया में जन्म लेते हैं।

दोहों में निहित जीवन-मूल्य

रहीम जी के प्रत्येक दोहे में कोई न कोई सीख दी गई है। वे कहते हैं कि मनुष्य को अपना दुख अपने पास ही रखना चाहिए, उत्तम प्रकृति के लोगों पर कुसंग का कोई प्रभाव नहीं पड़ता, मनुष्य को वहाँ नहीं जाना चाहिए जहाँ उसे सम्मान प्राप्त न हो, मीठी बोली में अनेक गुण होते हैं।

दोहों का वाचन

बच्चों को दोहों का गायन सिखाएँ। बाज़ार में उपलब्ध कैसेट को भी कक्षा में सुनाया जा सकता है। बच्चों को इन दोहों में छिपे गूढ़ अर्थ को बता देने पर वे उसी भाव के साथ इनका गायन कर सकते हैं।

महत्वपूर्ण चर्चा

निम्नलिखित प्रश्नों पर आधारित चर्चा बच्चों से करें –

- मीठी बोली से क्या-क्या फ़ायदे हैं?
- हमें वहाँ क्यों नहीं जाना चाहिए, जहाँ हमें सम्मान नहीं मिलता?
- कुसंग का असर किन लोगों पर नहीं होता?
- रहीम जी के द्वारा बताई गई नीतिपरक बातें कहाँ तक सही हैं?